Hindi :

Table of Contents

1. लेखक से परिचय
2. हार की जीत

लेखक से परिचय

यह कहानी हिंदी के प्रसिद्ध लेखक सुदर्शन द्वारा लिखी गई है। सुदर्शन का वास्तविक नाम बदरीनाथ भट्ट था। उन्होंने अपनी लेखनी की शुरुआत छठी कक्षा में की थी। सुदर्शन ने कहानियों के अलावा कविताएँ, लेख, नाटक, उपन्यास, फ़िल्मों की पटकथा और गीत भी लिखे। उनकी रचनाएँ हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।



मुख्य बिंदु

सुदर्शन का असली नाम बदरीनाथ भट्ट।
लेखन की शुरुआत कक्षा 6 में।
कहानियाँ, कविताएँ, नाटक, उपन्यास, पटकथा और गीत लेखन।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"सुदर्शन ने कहानियों के अतिरिक्त कविताएँ, लेख, नाटक और उपन्यास भी लिखे।"

अभ्यास प्रश्न

- सुदर्शन का असली नाम क्या था?
- सुदर्शन ने किन-किन विधाओं में लेखन किया?
- सुदर्शन ने पहली कहानी कब लिखी?

उत्तर कुंजी

- सुदर्शन का असली नाम बदरीनाथ भट्ट था।
- उन्होंने कहानियाँ, कविताएँ, नाटक, उपन्यास, पटकथा और गीत लिखे।
- उन्होंने पहली कहानी छठी कक्षा में लिखी।

त्वरित संदर्भ

सुदर्शन = बदरीनाथ भट्ट, बहुविध लेखन, हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक।

शब्दावली

- पटकथा: फ़िल्म या नाटक के लिए लिखी गई कहानी।
- उपन्यास: लंबी कथा।
- लेखनी: लेखन कार्य।

हार की जीत

यह कहानी बाबा भारती और उनके घोड़े सुलतान के इर्द-गिर्द घूमती है। बाबा भारती एक साधु हैं जो अपने घोड़े से अत्यंत प्रेम करते हैं। खड्गसिंह नामक डाकू भी इस घोड़े की कीर्ति सुनकर उसे देखने आता है। कहानी में प्रेम, विश्वास, त्याग और मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण है।

Prepzy

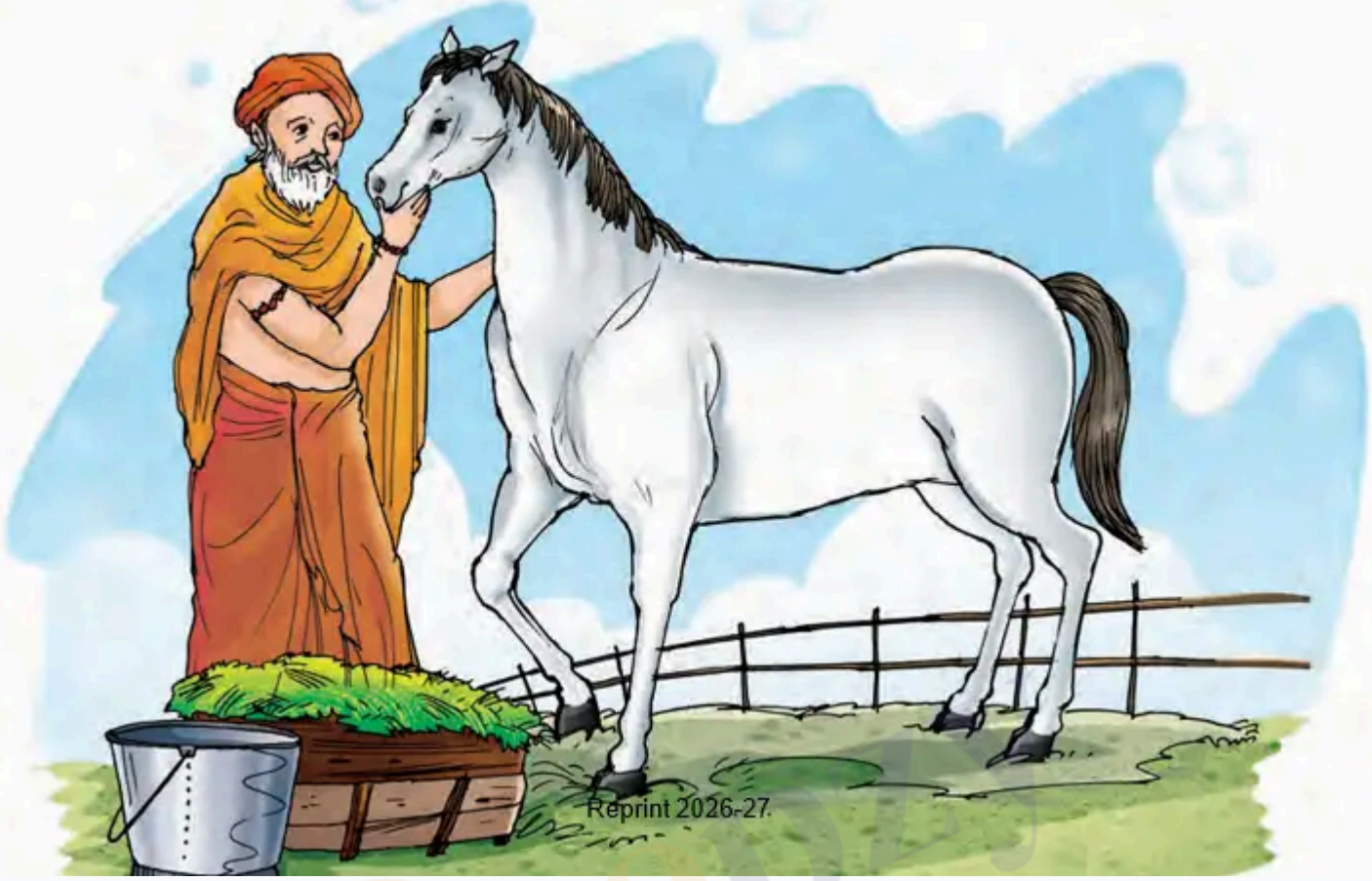

Reprint 2026-27





मुख्य बिंदु

- बाबा भारती का घोड़ा सुलतान, जो बहुत सुंदर और बलवान है।
- खड्गसिंह, एक प्रसिद्ध डाकू, जो घोड़े को पसंद करता है।
- बाबा भारती का घोड़े से गहरा लगाव और उसकी रक्षा।
- घोड़े को लेकर खड्गसिंह और बाबा भारती के बीच संवाद।
- विश्वास और त्याग की भावना।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"मैं सुलतान के बिना नहीं रह सकूँगा", बाबा भारती की यह पंक्ति उनके घोड़े के प्रति प्रेम को दर्शाती है।

"खड्गसिंह ने कहा, 'बाबाजी, यह घोड़ा अब न दूँगा।'"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न : बाबा भारती और खड्गसिंह के बीच घोड़े को लेकर क्या संवाद हुआ ?

उत्तर : खड्गसिंह ने घोड़े को देखकर उसकी प्रशंसा की और कहा कि वह इसे अपने पास रखना चाहता है। बाबा भारती ने घोड़े को खड्गसिंह को दे दिया लेकिन उनसे □ह प्रार्थना की कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करें ताकि लोगों का गरीबों पर विश्वास बना रहे।

अभ्यास प्रश्न

- **सरल:** बाबा भारती को अपने घोड़े से क्या लगाव था ?
- **मध्यम :** खड्गसिंह ने बाबा भारती से घोड़े के बारे में क्या कहा ?
- **कठिन:** कहानी में विश्वास और त्याग की भावना कैसे प्रकट होती है ?

उत्तर कुंजी

- बाबा भारती अपने घोड़े सुलतान से अत्यंत प्रेम करते थे और उसकी देखभाल करते थे।
- खड्गसिंह ने कहा कि घोड़ा बहुत सुंदर और चाल में अनोखा है।
- बाबा भारती ने घोड़े को खड्गसिंह को दे दिया लेकिन इस घटना को छुपाने की प्रार्थना की ताकि गरीबों पर विश्वास बना रहे। □ह त्याग और विश्वास की भावना दर्शाता है।

त्वरित संदर्भ

बाबा भारती = साधु , सुलतान = घोड़ा , खड्गसिंह = डाकू , प्रेम , विश्वास , त्याग।

शब्दावली

- अस्तबल : घोड़ों का घर।
- अधीर : बेचैन।
- प्रसन्न : खुश।

- [redacted]: [redacted]
- [redacted]: [redacted]